

an>

title: Regarding reported alleged communal statement made by a Member of Rajya Sabha against the Muslim community.

SHRI M.I. SHANAVAS (WAYANAD): Madam, I thank you very much for giving me this opportunity to raise a very important issue.

Ever since this Government came into power, a situation has been created in this country tarnishing the image of the minorities and some irresponsible statements are being made by responsible leaders of the ruling allies. They are misusing their power to intimidate and victimize the minority communities. The latest is and I am very sorry to state that a Member of Rajya Sabha, *â€¦\** has made a statement that Muslim community should be disenfranchised....(*Interruptions*) This is a very serious situation.

HON. SPEAKER: No name should be taken. Nothing should go on record.

(*Interruptions*)*â€¦\**

HON. SPEAKER: You should not take the name. He is not a Member of this House.

...(*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** आप किसी का नाम मत लीजिए।

*â€¦\**(*व्यवधान*)

HON. SPEAKER: You know the rules better. He is from Rajya Sabha. You can speak without taking his name.

SHRI M.I. SHANAVAS : This is against the Constitution. A series of issues are being started. Sadhvi Thakur has made a statement that Hindus and Christians should be forcibly sterilized.

A fellow Member of this House, *â€¦\** has endorsed it. They are of the opinion that Muslims and Christians should be forcefully sterilised. So, a situation of intimidation is being created. This is against the Constitution. It is a criminal offence and an offence against the country. They are not fit to become leaders of today. ...(*Interruptions*) So, some criminal action should be taken.

HON. SPEAKER:

Adv. Joice George,

Shri P.K. Biju and

Shri M.B. Rajesh are allowed to associate with the matter raised by hon. Member Shri M.I. Shanavas.

किसी का नाम नहीं लेना है।

*â€¦\**(*व्यवधान*)

HON. SPEAKER: He has mentioned the thing.

...(*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** नाम नहीं ले सकते।

*â€¦\**(*व्यवधान*)

**माननीय अध्यक्ष :** बिना नाम लिए आप बोल सकते हैं।

*â€¦\**(*व्यवधान*)

**माननीय अध्यक्ष :** यह कोई तरीका नहीं है।

*â€¦\**(*व्यवधान*)

श्री महिलकार्जुन खड़गे (गुलाबग) : माननीय अध्यक्ष जी, वेणुगोपाल तो बोलेंगे लेकिन मैम्बर ने जो सवाल माइनोरिटी के बारे में उठाया, जिनका वोटिंग राइट वापस लेने की बात एक सदस्य ने की है,...(व्यवधान) यह बहुत कंटेमनेबल है,...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : गांधी जी, आप क्या कर रहे हैं?

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात रिकॉर्ड में नहीं जा रही है।

...(व्यवधान)\*

माननीय अध्यक्ष : जोर से विल्लाने से कोई बात नहीं होती। आप बैठिए।

â€!(व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : वह जोर की आवाज में बोल रहे हैं लेकिन विल्ला नहीं रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष : मैं आपको नहीं कह रही हूँ।

श्री महिलकार्जुन खड़गे : महोदया, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न उठाया है, वह देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यहाँ होम मिनिस्टर बैठे हैं, अगर ऐसी चीजें बार-बार कांस्टीट्यूशन के विरुद्ध आएंगी। आपको इस देश को चलाना है, देश में संदेश फैलाना है कि जो नई सरकार आई है यह कांस्टीट्यूशनवादी चलने वाली सरकार है, संविधान से चलने वाली सरकार है। अगर कोई संविधान के खिलाफ बात करता है, उसे कड़ी से कड़ी सजा देने वाली सरकार है। आपसे यह संदेश जाने के बजाय आपके लोग क्या कर रहे हैं। आपके लोग तो उलटा कर रहे हैं, कोई कहता है कि माइनोरिटी की वोटिंग निकाल दो, कोई कहता है कि नसबंदी कर दो, कोई कहता है 'â€!\*' हैं। अगर ऐसी बातें होती रहेंगी तो क्या देश में शांति रहेगी? इस देश को जोड़ना चाहते हैं या तोड़ना चाहते हैं? मैं पूछना चाहता हूँ,...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसे नहीं चलेगा, आप बैठ जाइए।

â€!(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing else will go on record.

...(Interruptions)â€! \*

श्री महिलकार्जुन खड़गे : मैं आपके माध्यम से होम मिनिस्टर जी से पूछना चाहता हूँ कि ऐसे बयान क्यों आ रहे हैं? आप खुलासा कीजिए। मैम्बर ऐसी बातें कर रहे हैं, विष फैला रहे हैं, विष फैलाकर समाज को तोड़ने की बात कर रहे हैं। सरकार को अस्थिर बनाने की बात आपकी ओर से आ रही है, इधर से नहीं आ रही है। इनस्टेबिलिटी अगर कोई कर रहा है तो आपके लोग कर रहे हैं। आपकी अंग संस्थाएं कर रही हैं, आपके एमपीज कर रहे हैं, मंत्री कर रहे हैं। मैं आपसे जानना चाहता हूँ कि ऐसे लोगों को क्या शिक्षा देंगे? ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कटाशिया जी आप बैठिए, आपका नाम नहीं लिया।

â€!(व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : इस बेसिस पर सामना पेपर के खिलाफ, एडीटर के खिलाफ केस करें,...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : किसी पेपर का नाम नहीं लेना है।

â€!(व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : मैंने उनका नाम नहीं लिया,...(व्यवधान) मैंने न्यूज पेपर का नाम लिया है। ऐसे लोगों को या तो केस रजिस्टर करके अरेस्ट कीजिए या ऐसे पेपर को बंद कर दीजिए,...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं जीरो आवर में केंपैल नहीं कर सकती।

â€!(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I cannot compel him. This is 'Zero Hour.'

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: If he wants to reply, he can.

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिए, वह बता रहे हैं।

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, अगर वह बोलना चाहते हैं तो मैं मना नहीं कर रही हूँ।

â€!(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record. Only the hon. Minister's Statement will go on record.

...(Interruptions)â€! \*

HON. SPEAKER: I cannot compel him. If he wants, he can reply. That is the only thing I would tell.

...(Interruptions)

SHRI ARVIND SAWANT (MUMBAI SOUTH): Madam, I would like to clarify it....(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : किसी का नाम नहीं लिया है। आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : माननीय अध्यक्ष जी, जहां तक भारत के संविधान का पूरा है। हम सभी अवगत हैं कि भारत का संविधान इस देश के सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है। भारत के संविधान की मंशा पूरी तरह से स्पष्ट है, चाहे कास्ट हो, वृद्ध हो, रेश हो अथवा रितीजन हो, इस आधार पर किसी भी प्रकार का डिस्क्रीमिनेशन करने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती।

मैं सदन में स्पष्ट कर देना चाहता हूं यदि किसी के द्वारा भी सदन में कोई बात आए तो एक बार सोचा जा सकता है। सदन के बाहर कोई स्टेटमेंट देता है, यदि वह ऐसा है जिससे कास्ट, वृद्ध, रेश अथवा रितीजन के आधार पर किसी प्रकार का डिस्क्रीमिनेशन विरुद्ध होता है, मैं समझता हूं कि हमारी सरकार किसी भी सूत्र में इसे इन्डोर्स नहीं कर सकती।